पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता अकबर खान ने 51 किलो की माला पहनाकर पायलट का जोरदार स्वागत किया।

सचिन पायलट टोंक पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

सचिन पायलट ने टोंक के गांवों का दौरा किया और अतिवृष्टि से नष्ट फसलों का जायजा लिया

- सचिन पायलट ने किसानों से बात की और कहा कि, समय रहते और जल्द से जल्द किसानों को मुआवज़ा दिलाया जाएगा।
- जिला कलैक्टर और एस.पी. सहित सभी आला अधिकारी मौजूद थे।

टोंक, 11 अक्टूबर (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और टोंक विधायक सचिन पायलट देर रात्रि झालावाड़ से टोंक पहुँचे, पायलट ने टोंक सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। सुबह सर्किट हाउस में ही जनसुनवाई की और अधिकरियों की बैठक भी ली। पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान ने उनका 51 किलो की माला पहनाकर अभिनन्दन किया।

इसके बाद पायलट ने अपनी टोंक विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसलों का जायजा लिया और किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया। पायलट ने इस दौरान ग्राम ठीकरिया, अरनिया तिवाडी, अरनिया केदार, कारीरिया, बालापुरा, देवपुरा व सोरण सहित आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का भ्रमण किया और किसानों से बात की। इस दौरान किसानों ने अपनी नष्ट हुई फसलों की जानकारी दी। पायलट ने जिला कलैक्टर चिन्मयी गोयल सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पायलट ने किसानों से कहा कि उन्हें अपनी फसलों का मुआवजा जल्द से जल्द और समय रहते मिलेगा।

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने बताया कि किसानों की खड़ी फसलें ही नहीं, कटी फसलें भी खराब हो गई हैं। उनके पास चारे का भी साधन नहीं बचा है। सभी की जल्द गिरदावरी करा सभी तरह से किसानों को आर्थिक मदद मिले ये हमारी कोशिश रहेगी। उन्होंने कहा कि "टोंक जिलें में ही नहीं हाड़ौती के जिलों में भी अतिवृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। इससे बुआई का समय भी निकल रहा है, खाद व डीएपी की भी किल्लत है। इसके लिए कृषि मंत्रालय में बात की है। खाद व डीएपी की मात्रा को भी बढ़ाएंगे।" उन्होंने कहा कि "इस मुश्किल घड़ी में मैं किसानों के साथ खड़ा हूँ। क्लेम के लिए किसान ऑफ लाइन भी लिखित में दे सकते हैं, 72 घंटे के भीतर उनकी शिकायत रजिस्टर्ड करवाई जाएगी। जिला कलैक्टर को इसके लिए निर्देशित किया है। पूरी ताकत के साथ हम किसानों के साथ खड़े है।"

इस मौके पर जिला कलैक्टर चिन्मयी गोपाल, टोंक एसपी मनीष त्रिपाठी, एसडीएम टोंक गिरधर, तहसीलदार रामधन गुर्जर, कृषि विभाग टोंक के उपनिदेशक राधेश्याम मीणा, मदरसा बोर्ड के सदस्य सऊद सईदी, निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मण गाता, नगर परिषद टोंक के सभापति अली अहमद, उपसभापति बजरंगलाल वर्मा, सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, शिवजीराम मीणा, फौजूराम मीणा आदि मौजूद थे। पायलट का ग्राम शिवपुरी, ठिकरिया, अरनिया केदार, करीरिया के ग्रामीणों ने स्वागत किया तथा अपनी समस्या बताई। इस अवसर पर सचिन पायलट ने ग्राम अरनिया तिवाडी, बालापुरा में खेतों में जाकर फसल खराबे की जानकारी ली।

बार चुनाव का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तावित चुनाव में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय गाइडलाइन की कठोरता से पालना की जाए।

याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने बताया है कि, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गत नौ सितंबर को वार्षिक चुनाव 18 नवम्बर को करवाने का आदेश दिया था। बी.सी.आई. सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय, "वन बार वन वोट" के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने की शंका मात्र के आधार पर चुनावों पर रोक लगा दी, जबकि अभी तक सिर्फ चुनाव की तिथि ही तय हुई है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि, बी.सी.आई. को बार एसोसिएशन के चुनावों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है और पूर्व में भी हाईकोर्ट ने बार काउन्सिल आफ राजस्थान के चुनाव पर रोक के बी.सी.आई. के फैसले को रद्द किया था।

गौरतलब है कि सुमेर सिंह ओला ने वन बार वन वोट की प्रभावी पालना के लिए बी.सी.आई. में याचिका पेश की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए बीसीआई ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर को नोटिस जारी किया और 9 जनवरी तक जवाब देने को कहा तथा 18 नवम्बर को होने वाले चुनावों पर रोक लगा दी।

प्रधानमंत्री ने 900 मीटर में बना भव्य महाकाल कॉरीडोर राष्ट्र को समर्पित किया

- उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में बने इस भव्य परिसर में 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज स्वयं महाकाल विराजमान हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर के गर्भगृह में बैठकर करीब आधे घंटे पूजा-साधना की।

उज्जैन, 11 अक्टूबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में बनाए गए आध्यात्म और तकनीकी के अद्भुत संगम महाकाल लोक परियोजना के पहले चरण का लोकार्पण करते हुए इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

मोदी ने लगभग 900 मीटर लंबे भव्य महाकाल लोक के प्रवेश द्वार नंदी द्वार पर रक्षा सूत्र से बनाए गए शिवलिंग का रिमोट दबा कर लोकार्पण किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मोदी परिसर में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ कुछ देर टहले। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान उन्हें लगातार महाकाल लोक के बारे में जानकारी देते हुए दिखाई दिए।

पैदल चलते हुए मोदी महाकाल लोक परिसर में बनाए गए त्रिपुरासर संहार के दृश्य, सप्तर्षि मंडल परिसर, नवग्रह परिसर और रूद्रसागर के समीप भी गए। हर स्थान पर प्रधानमंत्री विशेष रुचि लेकर यहां के विहंगम और नयनाभिराम दृश्यों का अवलोकन करते दिखाई दिए।

इसके बाद मोदी परिसर की सैर के लिए इलेक्ट्रिक वाहन में सवार हुए। इसी वाहन के माध्यम से उन्होंने पूरे महाकाल लोक की सैर की। महाकाल लोक में शिवपुराण से जुड़ी बहुत सी कथाएं प्रदर्शित की गई हैं, जिनके बारे में वहां लगे बार कोड के माध्यम से जानकारी ली जा सकती है। यहां 108 स्तंभ बनाए गए हैं, जिनमें शिव तांडव से जुड़ी जानकारी नक्काशी और भित्ति चित्रों के माध्यम से दी गई है। महाकाल लोक बुधवार से श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल को बारंबार प्रणाम करते हुए कहा कि, सिंहस्थ के समय में उनके मन में जो विचार आए थे, आज उन्हें मूर्त रूप मिल गया है।

मोदी ने महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद एक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले सिंहस्थ के समय में उन्हें महाकालेश्वर भगवान का बुलावा आया। उन्होंने बेहद विनम्र लहजे में कहा कि, महाकाल का बुलावा आए तो बेटा आए बिना कैसे रह सकता था। उन्होंने कहा कि, उस दौरान उनके मन में लगातार मंथन का दौर चल रहा था। उसी मंथन में एक विचार इस कल्पना का भी आया था। उस समय का भाव आज चरितार्थ हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर और उज्जयिनी नगरी की महिमा बताते हुए कहा कि यहां 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज महाकाल विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि यहां सब कुछ अलौकिक, अविश्वसनीय और असाधारण है।

इसी क्रम में उन्होंने कहा कि वे मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने लगातार समर्पण के साथ इस सेवा कार्य को पूरा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्जैन ज्योतिषीय गणना का भी केंद्र रहा है। यहां श्रीकृष्ण ने भी शिक्षा प्राप्त की। उज्जैन के कण-कण में ईश्वरीय ऊर्जा और इतिहास सिमटा है।

भारत ने यू.एन. में रूस को दिया बड़ा झटका

रूस के निंदा प्रस्ताव पर रूस की गुप्त मतदान की मांग को भारत ने स्वीकार नहीं किया

- दरअसल यू.एन. जनरल असैम्बली में रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया है, जिस पर रूस ने गुप्त मतदान किये जाने की मांग रखी थी। लेकिन भारत ने इस मामले में सार्वजनिक मतदान किये जाने का समर्थन करके रूस को बड़ा झटका दिया है।
- अब रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर खुली वोटिंग होगी।

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। रूस ने संयुक्त राष्ट्र संघ में यूक्रेन के चार क्षेत्रों के अवैध कब्जे की निंदा करने के लिए लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर गुप्त मतदान की मांग की है। लेकिन भारत ने रूस को झटका देते हुए उसकी इस मांग को खारिज करने के लिए मतदान किया है। भारत सहित 100 से अधिक देशों ने सार्वजनिक वोटिंग का समर्थन किया है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में सोमवार को अल्बानिया के द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसको लेकर वोटिंग हुई। अल्बानिया का यह मसौदा डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहान्स्क और जापोरिज्जिया क्षेत्रों पर रूस के तथाकथित अवैध कब्जे और जनमत संग्रह की निंदा करेगा।

रूस ने मांग की थी कि प्रस्ताव पर गुप्त मतदान द्वारा मतदान किया जाए। भारत सहित संयुक्त राष्ट्र के 107 सदस्य देशों ने रिकॉर्ड वोट के पक्ष में मतदान करने के बाद गुप्त मतदान के लिए रूस की मांग को खारिज कर दिया। केवल 13 देशों ने गुप्त मतदान के लिए रूस के आव्हान के पक्ष में मतदान किया। वहीं, 39 देशों ने इस वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।

एक रिकॉर्ड वोट रखने के प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के बाद रूस ने महासभा के अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ अपील की। रूस की अपील पर एक रिकॉर्ड वोट हुआ और भारत उन 100 देशों में शामिल था जिन्होंने मास्को द्वारा की गई चुनौती के खिलाफ मतदान किया। रूस ने तब अल्बानिया द्वारा रिकॉर्ड किए गए वोट के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव को अपनाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। महासभा ने भारत सहित 104 देशों द्वारा इस तरह के पुनर्विचार के खिलाफ मतदान करने के बाद प्रस्ताव पर पुनर्विचार नहीं करने का फैसला किया। भारत ने पिछले महीने रूस-यूक्रेन के बीच जारी तनाव के बीच हुई वोटिंग भाग नहीं लिया था, जबकि रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया था जिसे अमेरिका और अल्बानिया ने मॉस्को के "अवैध जनमत संग्रह" की निंदा करने के लिए पेश किया था।

मुलायम के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानी जाती थीं। इस साल आजमगढ़, जो सपा का गढ़ माना जाता है, सीट के लिये उपचुनाव में, भाजपा के दिनेश लाल यादव ने यह सीट सपा से छीन ली थी। कन्नौज, जो सपा का एक अन्य गढ़ मानी जाती थी तथा जिसका प्रतिनिधित्व मुलायम, अखिलेश एवं डिम्पल यादव ने भी किया था, 2019 से भाजपा के पास है। 2019 में, यहाँ से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत ठाकुर ने डिम्पल यादव को हराया था। सम्भल भी परम्परागत रूप से सपा का गढ़ रहा था, लेकिन यहाँ भी सपा की पकड़ कमजोर हो गई तथा 2009 में शफीकुर रहमान बर्क, जो उस समय बसपा प्रत्याशी थे, ने यह सीट सपा से छीन ली थी इस बीच, सपा रामपुर लोकसभा सीट भी हार गई है, जिस पर आज़म खान 2019 में जीते थे। ऐसी पाँच सीटों, जिन पर 2019 में सपा जीती थी, में से वह दो सीटें- आज़मगढ़ और रामपुर हार चुकी है। मुलायम की मृत्यु के साथ ही लोकसभा में सपा सांसदों की संख्या 5 से घटकर 2 रह गई है।

कर्नाटक में 16 दलितों को घर में बंद करके बेरहमी से पीटा

इनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है जिसने मारपीट के कारण अपना बच्चा खो दिया है

बैंगलुरु, 11 अक्टूबर। कर्नाटक से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां 16 दलितों को कई दिनों तक जेल में बंद कर प्रताड़ित किया गया। मामला कर्नाटक के चिक्कमंगलुरु जिले का है। आरोप है कि प्रताड़ित किए गए लोगों में एक गर्भवती महिला भी थी। पिटाई के चलते महिला का गर्भपात हो गया। पुलिस ने कहा कि गर्भवती महिला ने उसके साथ मारपीट करने के बाद अपना बच्चा खो दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और महिला का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एन.डी.टी.वी. की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के कट्टर समर्थक जगदीश गौड़ा पर अपने कॉफी बागान में 16 दलित लोगों को कई दिनों तक बंद रखने का आरोप लगाया गया है। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें कई दिनों तक प्रताड़ित किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि जगदीश गौड़ा और उसके बेटे तिलक गौड़ा पर दलितों पर अत्याचार के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि दोनों फरार हैं और तलाश की जा रही है।

वहीं मामला सामने आने के बाद भाजपा ने इस शख्स से दूरी बना ली है। पार्टी के जिला प्रवक्ता ने इन दावों को खारिज कर दिया कि वह पार्टी का नेता है। वरसिद्धि वेणुगोपाल ने कहा, "न तो जगदीश पार्टी कार्यकर्ता है और न ही सदस्य। वह सिर्फ भाजपा समर्थक हैं। वह किसी भी अन्य मतदाता की तरह हैं।" रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ित जेनुगड्डे गांव में कॉफी बागान में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मालिक से 9 लाख रुपये की राशि उधार ली थी।

कर्ज नहीं चुकाने पर उन्हें बंद कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "आठ अक्टूबर को कुछ लोग बालेहोन्नूर पुलिस थाने आए और आरोप लगाया कि जगदीश गौड़ा उनके रिश्तेदारों को प्रताड़ित कर रहा है। लेकिन बाद में उसी दिन उन्होंने शिकायत वापस ले ली।"

पंकज मित्तल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह मूलत: इलाहाबाद हाई कोर्ट से है, जहां वह जज बने थे। शुरु से उनकी नियुक्ति अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई थी और जुलाई 2006 में वह वहां के स्थायी न्यायाधीश बने। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के गत 30 सितम्बर को इनके नामों की सिफारिश की थी और अब इनकी नियुक्तियां की गई हैं।

जस्टिस वराले बॉम्बे हाई कोर्ट के सीनियर मोस्ट जज हैं। यहां वह वर्ष 2008 में सेवा में आए थे। मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से कला और विधि में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने वर्ष 1990 से 1992 तक औरंगाबाद के अम्बेडकर लॉ कॉलेज में विधि के व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

जस्टिस अली मोहम्मद माग्रे कश्मीर युनिवर्सिटी से एल.एल.बी. हैं। वह मार्च 2013 में जे. एण्ड के. हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने थे। अब उन्हें चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया है।

4.2 करोड़ लोगों ने आर.टी.आई. का इस्तेमाल किया

- ट्रांसपरैंसी इंटरनैशनल की रिपोर्ट के अनुसार आर. टी. आई. के जरिये सबसे ज्यादा सूचनायें केन्द्र सरकार से मांगी गई हैं।

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (वार्ता)। सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 2005 से अब तक कुल 4.2 करोड़ लोगों ने सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सूचनाएं प्राप्त करने के लिए आर.टी.आई. अधिनियम का इस्तेमाल किया है। देश में सूचना का अधिकार दिवस 12 अक्टूबर को मनाया जाता है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनैशनल इंडिया की इस छठी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान देश के सूचना आयोगों के समक्ष अब तक करीब 26 लाख द्वितीय अपील एवं शिकायत दर्ज की गयी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय और राज्य स्तरीय सूचना आयोगों में कुल 165 पदों में दो मुख्य सूचना आयुक्त सहित 42 पद रिक्त हैं।

टी.आई.आई. द्वारा मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार राज्यवार सूचना के अधिकार के प्रयोग में सबसे ज्यादा सूचनाएं केंद्र सरकार और उसके संगठनों से मांगी गयी हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं केरल का स्थान है।रिपोर्ट के अनुसार आर.टी.आई. के तहत केन्द्र के बाद जिन सरकारों से सबसे ज्यादा जानकारियां मांगी गयीं।

प्रदेश प्रभारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां,भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश सह प्रभारा विजया रहाटकर ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में आगामी कार्ययोजना व विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा अरुण सिंह, डॉ. सतीश पूनियां, चंद्रशेखर, विजया रहाटकर, केंद्रीय मंत्रीअर्जुनराम मेघवाल ने पार्टी के विभिन्न अभियानों के संयोजक और विभागों के संयोजक व सह संयोजकों के साथ भी बैठक कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

हिन्दी की खिलाफत दक्षिण भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना भारत की एकता के विरूद्ध है। भाजपा सरकार को अतीत में हुये हिन्दी-विरोधी आंदोलनों से सबक लेना चाहिये।" उन्होंने 1960 के दशक में हुये हिन्दी विरोधी आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि इन आंदोलनों के फलस्वरूप, कांग्रेस राज्य की सत्ता से बेदखल हो गई तथा उसके बाद से, कांग्रेस को राज्य कुछ सीटें पाने के लिये भी इस पर उस द्रविड़ पार्टी पर निर्भर रहना पड़ा है। इस समय, कांग्रेस डी.एम.के. (द्रमुक) पर निर्भर है तथा विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में उसकी गठबंधन पार्टनर है।

उल्लेखनीय है कि द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे ने तमिलनाडू में इकतरफा जीत हासिल की थी तथा 2019 के लोकसभा चुनावों में 39 लोकसभा सीटों में से एक के अलावा सभी सीटें जीत ली थीं। और अगर, इस भावनात्मक मुद्दे को एक बार फिर उसे उपलब्ध करा दिया जाता है, तो इश बात की पूरी-पूरी संभावना है कि डी.एम.के. अपने पूर्ववर्ती प्रदर्शन को 2024 के आम चुनावों में फिर से दोहरा सकती है।

स्टालिन ने ट्वीट किया, "भारत की विविधता को नकारते हुए, हिन्दी थोपने का भाजपा की केन्द्रीय सरकार का कड़ा दबाव एक खतरे की सूचना के रूप में आता दिखाई दे रहा है। "पार्लियामेंट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" के ग्यारहवें खंड में मौजूद प्रस्ताव भारत की आत्म पर सीधा एवं खुला हमला है।"

स्टालिन ने कहा कि एक राष्ट्र, एक भाषा, एक धर्म, एक खाद्य पदार्थ तथा एक संस्कृति को जबरदस्ती लादने की केन्द्र सरकार की मुद्रा भारत की एकता को प्रभावित करेगी। उन्होंने आगे कहा, "केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली "पार्लियामैंन्ट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" द्वारा राष्ट्रपति को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में ऐसी सिफारिशें की गई हैं जो भारतीय संघ की एकता-अखंडता के लिये खतरा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कमेटी ने सिफारिश की है कि आई.आई.टी., आई.आई.एम., ए.आई.आई. एम.एस. (एम्स) केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय विद्यालयों जैसे सभी संस्थानों में निर्देश के माध्यम की भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी प्रयुक्त की जाए।

स्टालिन ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए ध्यान दिलाया कि संविधान की आठवीं अनुसूची में तमिल सहित 22 भाषाएं हैं, जिन्हें समान अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन पैनल ने भारत में समान भाषा के रूप में हिन्दी की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री ने प्रश्न किया कि "ऐसे परिदृश्य में केन्द्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली कमेटी को यह सिफारिश करने की क्या जरूरत पड़ गई कि हिन्दी को भारत की सामान्य भाषा बना दिया जाए।

इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में अंग्रेजी भाषा के प्रश्न पत्र में हिन्दी को प्राथमिकता क्यों देनी चाहिए, उन्होंने दावा किया कि हिन्दी को अनुचित व पक्षतापूर्ण एडवांटेज देना संविधान की भावना के खिलाफ है और यह अन्य भारतीय भाषाओं के साथ भेदभाव है। केन्द्र की भाजपा सरकार पर संविधान की नितांत उपेक्षा कर हिन्दी को लगातार थोपने का आरोप लगाते हुए स्टालिन ने कहा कि देश के लिए एक "कॉमन लैंग्वेज" का आदेश देना व्यवहारिक रूप से असंभव है तथा वह यह कहने के समान है कि सिर्फ हिन्दी भाषी ही भारत के संवैधानिक नागरिक हैं और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग देश के दोयम दर्जे के नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्वाभाविक रूप से विभाजनकारी है।" उन्होंने कहा कि देश का वास्तविक चरित्र- "अनेकता में एकता" है। भारत का चरित्र अनेकता में एकता है, अत: सभी भाषाओं को समान आदर मिलना चाहिए और सभी को अधिकारिक भाषाएं बनाना चाहिए।

स्टालिन ऐसा कहने वाले एक मात्र व्यक्ति हैं, लेकिन इस संदर्भ में वह अंतिम व्यक्ति नहीं होंगे क्योंकि भाषा मुद्दे पर केन्द्र सरकार के प्रकट रूख का दक्षिण भारतीय राज्यों और पश्चिम बंगाल के सामाजिक कार्यकर्ताओं का विरोध सामने आने वाला है। ये तो कुछ नाम भर हैं।

गहलोत की विदाई क्यों अटकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- कांग्रेस हाई कमान (गांधी परिवार) से संबंध टूट चुके हैं, इसका नवीन प्रमाण यह था कि, कांग्रेस हाई कमान ने उन्हें पार्टी की ओर से मुलायम सिंह के दाह संस्कार में भेजना उचित नहीं समझा।
- छत्तीसगढ़ के मु.मंत्री बघेल व मध्य प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री कमलनाथ को पार्टी के "ऑफिशियल प्रतिनिधि" के रूप में भेजा गया।
- पर, गहलोत स्वयं सैफ़ई पहुंचे तथा यह मैसेज देने का प्रयास किया कि, अभी भी उनके संबंध हाई कमान से ठीक हैं।

जय शाह के नाम का आमंत्रण गांधी परिवार के लिए यह सबसे बड़ा संकेत था कि वह अब अमित शाह के संरक्षण में हैं और यदि सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री के रूप में थोपने की कोई कोशिश की गई तो वह सरकार गिरा देंगे। सोनिया गांधी अपनी पुत्री प्रियंका के साथ शिमला गई हैं, गांधी परिवार कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव तिथि 17 अक्टूबर की प्रतीक्षा कर रहा है।

सूत्र कहते हैं कि जब प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष के चुनाव के बीच में उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया तब पार्टी में इसकी भारी प्रतिक्रिया हुई थी। कई नेताओं ने सोनिया गांधी को लिखा था कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि नया अध्यक्ष ही इन मुद्दों पर अपना निर्णय लेगा।

एक सीनियर नेता ने बताया कि यही कारण रहा होगा जिसकी वजह से अशोक गहलोत का मसला नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद हाथ में लिया जा सकता है। जब गहलोत का विद्रोह हुआ तब खड़गे राजस्थान में पार्टी के पर्यवेक्षक थे और अब वे पार्टी नए अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। जयपुर से रवाना होने से पूर्व खड़गे ने कहा था कि उन्होंने पिछले 40 वर्षों में कांग्रेस अध्यक्ष का ऐसा अपमान कभी नहीं देखा। खड़गे गहलोत पर निर्णय लेंगे और अजय माकन के साथ एक नया पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा।

जैसी कि इस अखबार द्वारा पहले खबर दी जा चुकी है, अजय माकन एक-एक विधायक से सम्पर्क करने में व्यस्त हैं और राजस्थान में नेतृत्व के मुद्दे पर उनके विचार जान रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि वे किसका समर्थन कर रहे हैं।

एक सीनियर नेता ने टिप्पणी की कि "कोई भी नेतृत्व इतनी अनुशासनहीनता और अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। यह एक उदाहरण बन जाएगा, जिससे स्थापित नेता प्रेरित होकर अपने धन-बल और कद के आधार पर विद्रोह करेंगे और कोई भी नेतृत्व ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकता।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गहलोत कितने समय तक अपनी कुर्सी बचाने के जतन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि अशोक गहलोत की राजनीति अब समाप्त हो चुकी है और कम से कम कांग्रेस पार्टी में तो हो ही चुकी है।

नया चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सूची से हटा दिया गया था।

चुनाव आयोग ने इसे एक स्वतंत्र चुनाव चिन्ह घोषित करते हुए वर्तमान उप चुनाव में उपयोग के लिए शिंदे गुट को आवंटित किया है, लेकिन यह तब ही है, जब तक कि शिव सेना और उसके पूर्व चुनाव चिन्ह के हक के विवाद में कोई अंतिम आदेश पारित नहीं हो जाता। हालांकि शिंदे गुट ने सूर्य बतौर चुनाव चिन्ह मांगा था, पर चुनाव आयोग ने यह मांग नहीं स्वीकार की।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600